मिशन शिक्षण संवाद

काव्य मंजरी

शैक्षिक गीतों का संकलन

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

संकलन- काव्य मंजरी टीम

मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Can

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

गिर राष्ट्रीय उद्यान 01

राष्ट्रीय उद्यान नाम है गिर,
भारत के गुजरात में स्थित।
एशिया में एकमात्र निवास,
सिंहों ने जहाँ पाया स्थान।।

इतिहास इसका सौ साल पुराना,
लोकवार्ताओं में सिंह था राजा।
प्राचीन प्रतीकों में उल्लेख जिसका,
शिकार प्रतिबन्धित ये हुई घोषणा।।

हरे-भरे पेड़, काँटेदार झाड़ी,
सागवान, बबूल, शीशम आदि।
चीतल, सांभर और बारहसिंघा,
सिंह प्रजाति साथ होता चिंकारा।।

1412 वर्ग किलोमीटर में फैला गिर,
सन 1965 में हुआ यह स्थापित।
जूनागढ़ शहर के निकट स्थित,
सिंहदर्शन को प्रवासी हुए आकर्षित।।

रचना-आस्था शर्मा (स०अ०)
प्रा० वि० इस्लामनगर
ब्लॉक- मुरादाबाद ग्रामीण
जनपद- मुरादाबाद

Scanned with Cam

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

02

संजय गाँधी राष्ट्रीय उद्यान

मुम्बई शहर में है स्थित,
संजय गाँधी नेशनल पार्क।
दूजा इसका नाम है,
बोरीवली नेशनल पार्क।।

चित्तीदार हिरण, और सांभर,
ब्लैक नेप्ड हेयर।
पाम सिवेट, रिसस मेकाक,
और देखो माउस डीयर।।

वाकिंग डियर, बोनेट मेकाक,
और साही धूम मचाती।
बोलने वाली लोमड़ी,
यहीं है पाई जाती।।

तुलसी झील में पाइथन,
और रहते हैं घडियाल।
कोबरा, रसेल वाइपर,
सिलोनी कैट साँप कमाल।।

रचना-
राज कुमार शर्मा (प्र.अ)
UPS, चित्रवार, ब्लॉक- मऊ
जनपद- चित्रकूट

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान **03** **मध्यप्रदेश**

तर्ज़- फूलों का तारों का सबका कहना है।

कान्हा राष्ट्रीय उद्यान बहुत ही प्यारा है,
जीव-जंतुओं का ये तो सहारा है।
पार्कों, जंगलों का यहाँ अद्भुत नजारा है।।
नौ सौ चालीस वर्ग किलोमीटर के क्षेत्र में,
आकर्षण का केंद्र बना मध्यप्रदेश में।
प्राकृतिक सुंदरता में सबसे न्यारा है।।
जीव-जंतुओं .....

दो अभ्यारण्यों में इसे बांटा गया है,
हॉलन और बंजार का नाम दिया गया है।
"प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व" बहुत ही प्यारा है।।
जीव-जंतुओं .....
उन्नीस सौ पचपन में राष्ट्रीय उद्यान बना,
हिरण, बारहसिंघा, चीता वन्यजीव यहाँ।
यहीं पर मिलता राष्ट्रीय पशु हमारा है।।
जीव-जंतुओं .....

बाघ यहाँ आजाद घूमते देखे जाते हैं,
साल, बाँस के घने पेड़ पाए जाते हैं।
"जंगल बुक" में मिलता इतिहास सारा है।।
जीव-जंतुओं .....

रचना- मन्जू शर्मा (स०अ०)
प्रा०वि० नगला जगराम
सादाबाद, हाथरस

Scanned with Can

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

सिमलीपाल 04 राष्ट्रीय उद्यान

भारत के ओडिशा में,
मयूरभंज है जिला बड़ा।
हाथियों से भरा हुआ,
सिमलीपाल उद्यान खड़ा।।

क्षेत्रफल किलोमीटर,
आठ सौ पैंतालीस।
1980 में स्थापना,
सरकार द्वारा संचालित।।

सबसे ज्यादा हैं यहाँ,
हाथियों की संख्या।
इसके अलावा पायी जाती,
बाघ, गौर की प्रजातियाँ।।

सेमल पेड़ों की बहुतायत,
नाम पड़ा है सिमलीपाल।
प्रोजेक्ट टाइगर के अन्तर्गत,
शामिल किए इसका नाम।।

रचना- आयुषी अग्रवाल (स०अ०)
कम्पोजिट विद्यालय शेखूपुर खास
कुन्दरकी (मुरादाबाद)

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें----9458278429

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान 05 असम

तर्ज:- मेरे यारा तेरे गम अगर पाएँगे

काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान जाएँगे,
हम जीव जन्तुओं को जान जाएँगे।
यह असम में पड़े, भू-भाग बड़े,
पहाड़ अनेक पाएँगे।।
उद्यान जाएँगे....ओ....

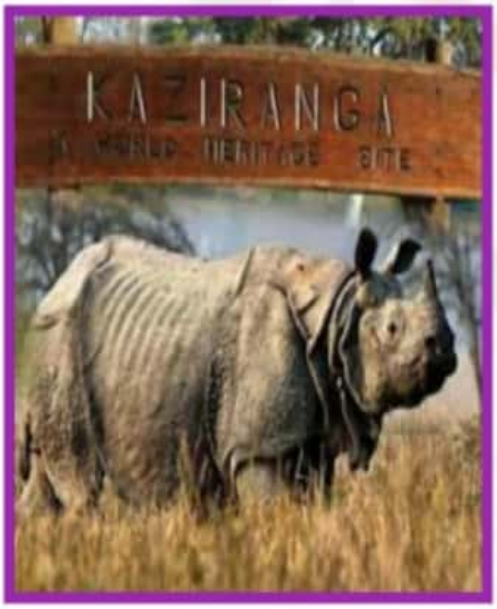

एक सींग वाला गैंडा का यह है निवास,
हॉग बैजर, हिरण सांभर इनका भी है वास।
1905 में यह बना सुंदर,
यह भारत में है विश्व-धरोहर।
430 वर्ग किलोमीटर में फैला, सर्दियों में यहाँ,
खूबसूरत पक्षी साइबेरिया से आ जाएँगे।।
उद्यान जाएँगे....ओ.....

गहरे-गहरे खलिहान ऊबड़-खाबड़ मैदान,
भेड़िया शाही हाथी जानवर भी महान।
चिड़िया है कलहंस बतख पेलिकन,
यहीं पर स्टार्क जिसकी काली गर्दन।
2005 में 100 वर्ष का हुआ, विविधता है यहाँ,
इसकी विविधता को पहचान जाएँगे।।
उद्यान जाएँगे.....ओ.....

रचना-
सुधांशु श्रीवास्तव (स०अ०)
प्राथमिक विद्यालय मणिपुर
ऐरायां, फतेहपुर

Scanned with Can

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

06

जिम कार्बेट नेशनल पार्क, उत्तराखंड

सबसे पुराना राष्ट्रीय उद्यान,
जिम कार्बेट इसका नाम।
हेली नेशनल पार्क के रूप में,
स्थापित हुआ 1936 में।।

उत्तराखंड की प्रकृति में,
नैनीताल की गोद में।
पहाड़ी राज्य उत्तराखंड में,
जिम कार्बेट नाम पड़ा 1957 में।।

गौरवशाली पशु विहार,
बाघों का यह पहला पार्क।
बाघ संरक्षित क्षेत्र है,
पर्यटन के लिए विशेष है।।

वनस्पतियों की ढेर है,
शाल, शीशम, बेर है।
पशु-पक्षी अनेक हैं,
बाघ (टाइगर) विशेष हैं।।

रचना
सुनीता यादव(स०अ०)
कंपोज़िट स्कूल भिठिया चिचड़ी
गिलौला, श्रावस्ती

शिक्षा का उत्थान मिशन शिक्षण संवाद शिक्षक का सम्मान

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान 07 कर्नाटक

चामराजनगर जिला, कर्नाटक प्रांत में,
बांदीपुर राष्ट्रीय उद्यान अपने आप में।

सुंदर सा मन मोहे, पक्षी अनेक हैं,
पारिस्थितिकी संरक्षण में प्रयास विशेष है।

बाघ, तेंदुआ, हाथी, गौर, ढोल देखो,
सांबर, चीतल, काकड़, मृग, लोरिस अनेकों।

रोएं वाला खरहा, मुर्गा जंगली, कबूतर,
साही, मालाबार गिलहरी, मिले जंगली सुअर।

874 वर्ग किमी विस्तार है,
शुष्क पर्णपाती वन प्रमुख प्रकार हैं।

संरक्षण स्थल है लुप्तप्राय जीवों का,
खूबसूरत बेहतरीन प्रबंधन है मिलता।

भारत का सबसे बड़ा बायोस्फीयर बनाता,
जो 'नीलगिरी बायोस्फीयर' नाम से जाना जाता।

रचना
अरविन्द कुमार सिंह (स०अ०)
प्रा०वि० धवकलगंज
बड़ागाँव, वाराणसी

शिक्षा का उत्थान, मिशन शिक्षण संवाद, शिक्षक का सम्मान।

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

दुधुवा नेशनल पार्क 08 उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर में स्थित,
दुधुवा नेशनल पार्क वन क्षेत्र सुरक्षित।
भारत नेपाल की सीमा में फैला विशाल क्षेत्र,
बड़ा और समृद्ध जैव विविधता वाला क्षेत्र।।

बाघों और बारहसिंघों को देता है संरक्षण,
है ये विविध जीव जन्तुओं का क्षेत्र विलक्षण।
1977 में पाया नेशनल पार्क का पदनाम,
490 वर्ग किलोमीटर तक फैला ये अदभुद उद्यान।।

साल और साखू वृक्ष यहाँ की अनोखी शान,
तितलियाँ भी भरती है ऊँची- ऊँची उड़ान।
बाघ, बारहसिंघा, चीतल, कांकण और सांभर,
सरीसृप, मगरमच्छ, हाथी और उभयचर।।

झाड़ी, घासें, लतिकाओं से भरा है ये वन,
औषधीय वनस्पतियाँ और महके फल जामुन।
प्रोजेक्ट टाइगर, गैंडा संरक्षण का शुभारम्भ हुआ,
जीवों को सुरक्षित रखने का प्रण सबने लिया।।

रचना- डॉ० नीतू शुक्ला (प्र०अ०)
मॉडल प्राइमरी स्कूल बेथर 1
सिकंदरपुर कर्ण -उन्नाव

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

राजाजी राष्ट्रीय उद्यान 09 देहरादून, उत्तराखंड

राष्ट्रीय उद्यानों में प्रमुख,
राजाजी उद्यान है।
देहरादून में है स्थित,
पर्यटन स्थल में ऊँचा नाम है।।

राजाजी, मोतीचूर और चिल्ला,
तीन अभयारण्य थे।
1983 में मिला दिया,
और एक उद्यान बना दिया।।

महान स्वतंत्रता सेनानी चक्रवर्ती,
राजगोपालाचारी के नाम पर।
इसका नाम रखा गया,
राजाजी राष्ट्रीय उद्यान फिर।।

सबसे ज्यादा पायी जाती,
यहाँ हाथियों की संख्या,
इसके अलावा हिरण, चीते, सांभर, मोर,
पक्षियों की 315 प्रजातियाँ।।

रचना
हेमलता गुप्ता (स० अ०)
प्रा० वि० मुकन्दपुर
लोधा, अलीगढ़

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

सरिस्का अभ्यारण 10 राजस्थान

सरिस्का बाघ अभ्यारण्य,
राजस्थान प्रदेश में है।
प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान यह,
अलवर जिले में है।।

अन्य दुर्लभ वन्य-जीवों, पक्षियों,
का यहाँ पर वास-स्थल है।
राजाओं का किला पुराना,
बना आज यहाँ होटल है।।

लंगूर, चित्तीदार हिरण,
सांभर, बाघ, लकड़बग्घे।
चिंकारा, जंगली बिल्लियाँ,
कठफोड़वा, किंगफिशर भी मिले।।

सरकारी खुली सफारी में बैठ,
पर्यटक यहाँ घूमते हैं।
जंगल का राजा शेर यहाँ,
परिवार संग घूमते मिलते हैं।।

रचना- नैमिष शर्मा (स०अ०)
परि० संवि० पू० मा० वि०- तेहरा
वि०ख० व जनपद- मथुरा

आओ हाथ से हाथ मिलायें बेसिक शिक्षा का मान बढ़ायें----9458278429
Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

मानस अभ्यारण्य 11 असोम

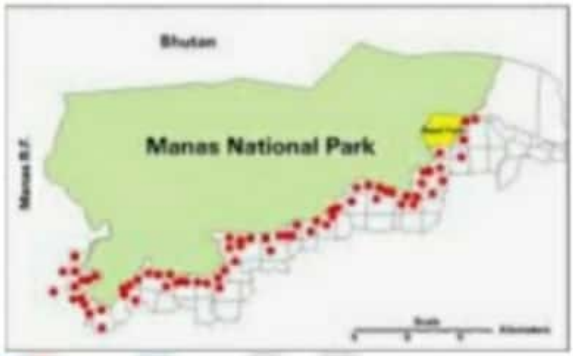

असोम में स्थित है एक राष्ट्रीय उद्यान,
नाम है जिसका मानस राष्ट्रीय उद्यान।

यूनेस्को द्वारा घोषित यह विश्व धरोहर स्थल है,
बाघ और हाथियों से आरक्षित जीवमंडल है।

नाम पड़ा इसका मानस, सर्पों की देवी मनसा पर,
और मानस नदी भी गुज़रती इसके केंद्र से होकर।

हिमालय की तलहटी में बसा, जंगलों से भरा है,
चारागाह और वन बायोम, दो भागों में बँटा है।

यहाँ पे हाथी, गैंडे, बारहसिंगा, बाघों की भरमार है,
स्वर्ण बिल्ली, लंगूर, सांभर, हिरण,चीतल करते धमाल हैं।

पक्षी प्रेमियों के लिए मानो यह स्वर्ग समान है,
पाँच सौ तरह के पक्षियों का यह अनोखा जहान है।

वाटर राफ्टिंग की मस्ती भी यहाँ कर सकते हैं,
कोकिलाबारी और अलबरी में ईगल देख सकते हैं।

यहाँ पर घूमने में सबसे अच्छा अक्टूबर से अप्रैल है,
और इस मौसम में, ढेर सारे वन्यजीवों का दिखता मेल है।

रचना
रेनू (स०अ०)
प्रा० वि० कूँड़ी
बड़ागाँव, वाराणसी

Scanned with Cam

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

चन्द्रप्रभा अभ्यारण्य 12 उत्तर प्रदेश

1957 में उत्तर प्रदेश में हुई स्थापना,
नए अभ्यारण्य की बनी एक संरचना।
बात थी वन्य जीवों के संरक्षण की,
और 650 से अधिक प्रजातियों की।।
काले हिरण और चीतल हैं रहते यहाँ,
नील गाय से जंगल हैं चमकते जहाँ।
वाराणसी से 70 कि० मी० दूर है बसा हुआ,
चन्दौली जिले की शोभा में है रमा हुआ।।

देवदरी जैसा सुन्दर झरना है यहाँ बहता,
साभर यहाँ पर्यटकों को है आकर्षित करता।
गुफाओं से निकाल कर होती है यात्रा यहाँ,
हरे-हरे पौधों की बहुत है मात्रा जहाँ।।

78 वर्ग किलोमीटर में है फैला हुआ,
हरी-भरी वादियों से पूरा है ढका हुआ।
सुन्दर और आकर्षक दृश्य यहाँ के भाते,
कितने प्यारे चिंकारा यहाँ हैं रहते।।

रचना
आकांक्षा मिश्रा (स० अ०)
प्राथमिक विद्यालय सिकंदरपुर
सुरसा, हरदोई

Scanned with Cam

शिक्षा का उत्थान

मिशन शिक्षण संवाद

शिक्षक का सम्मान

भारत के प्रमुख उद्यान एवं वन्य जीव अभ्यारण्य

भरतपुर पक्षी विहार 13 राजस्थान

राजस्थान में स्थित केवलादेव घना राष्ट्रीय उद्यान,
विख्यात पक्षी अभयारण्यों में है आता।
250 वर्ष पहले इसका निर्माण हुआ,
भरतपुर पक्षी विहार के नाम से था जाना जाता।।

हजारों की संख्या में दुर्लभ और विलुप्त,
जाति के पक्षी इसमें पाए जाते।
जैसे साइबेरिया से आये सारस,
जो सर्दियों के मौसम में यहाँ आते।।

1971 में संरक्षित पक्षी अभयारण्य,
किया गया था इसको घोषित।
बाद में 1984 में विश्व धरोहर भी,
किया गया था इसको घोषित।।

230 विलुप्तप्राय प्रजातियों के पक्षियों ने,
इस राष्ट्रीय उद्यान में अपना घर बनाया है।
घोमरा, जलपक्षी, उत्तरी शाह चकवा, लालसर बत्तख,
जैसे अनेक पक्षियों ने यहाँ आसरा पाया है।।

रचना- जितेन्द्र कुमार (स०अ०)
प्रा० वि० धनौरा सिल्वर नगर-1
बागपत, बागपत

Scanned with Cam

मिशन शिक्षण संवाद

भारत के प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान व वन्य जीव अभ्यारण्य

रचनाकारों की सूची

01 आस्था शर्मा, मुरादाबाद
02 आर के शर्मा, चित्रकूट
03 मन्जू शर्मा,हाथरस
04 आयुषी अग्रवाल, मुरादाबाद
05 सुधांशु श्रीवास्तव, फ़तेहपुर
06 सुनीता यादव, श्रावस्ती
07 अरविन्द कुमार सिंह, बनारस
08 डॉ०नीतू शुक्ला, उन्नाव
09 हेमलता गुप्ता, अलीगढ़
10 नैमिष शर्मा मथुरा
11 रेनू, वाराणसी,
12 आकांक्षा मिश्रा, हरदोई
13 जितेन्द्र कुमार, बागपत

तकनीकी सहयोग
1 नाज़िया परवीन, मुरादाबाद
2 शहनाज़ बानो, चित्रकूट
3 नमिता राजपूत, मुरादाबाद
मार्गदर्शन:- राज कुमार शर्मा, चित्रकूट

संकलन:- मिशन शिक्षण संवाद

Scanned with Can